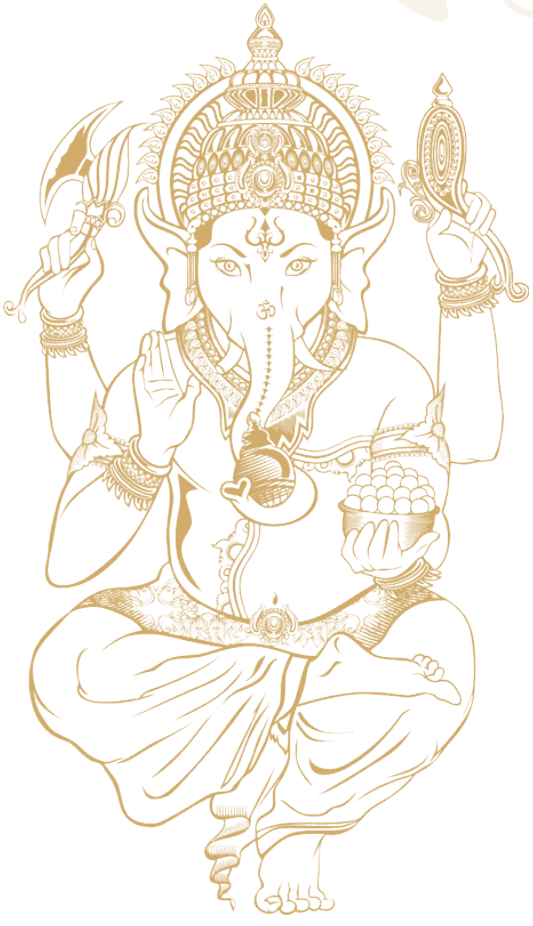

Bibha

15 Sep 1996

10:00 PM

Guwahati International

Model: web-freekundliweb

Order No: 121834504

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**15/09/1996**
दिन	रविवार
जन्म समय	**22:00:00 घंटे**
इष्ट	41:56:34 घटी
स्थान	**Guwahati Internatio**
राज्य	Assam
देश	India

अक्षांश	26:06:30 उत्तर
रेखांश	91:35:05 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:36:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:36:20 घंटे
वेलान्तर	00:04:48 घंटे
साम्पातिक काल	22:15:59 घंटे
सूर्योदय	05:13:22 घंटे
सूर्यास्त	17:27:47 घंटे
दिनमान	12:14:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	29:17:20 सिंह
लग्न के अंश	23:11:56 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	ब्रह्म
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रा-राखी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	23:11:56	352:41:18	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	सूर्य	---
सूर्य			सिंह	29:17:20	00:58:31	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	स्वराशि
चंद्र			तुला	00:26:56	12:40:19	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
मंगल			कर्क	09:50:25	00:37:14	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	नीच राशि
बुध	व	अ	कन्या	03:02:57	01:02:09	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	शनि	उच्च राशि
गुरु			धनु	14:14:21	00:02:18	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	स्वराशि
शुक्र			कर्क	15:21:33	01:05:56	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	11:00:42	00:04:32	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
राहु			कन्या	14:10:15	00:00:49	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	14:10:15	00:00:49	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	07:04:17	00:01:10	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
नेप	व		मक	01:17:00	00:00:40	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	06:53:05	00:01:11	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			कुंभ	08:11:09	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:42

लग्न-चलित

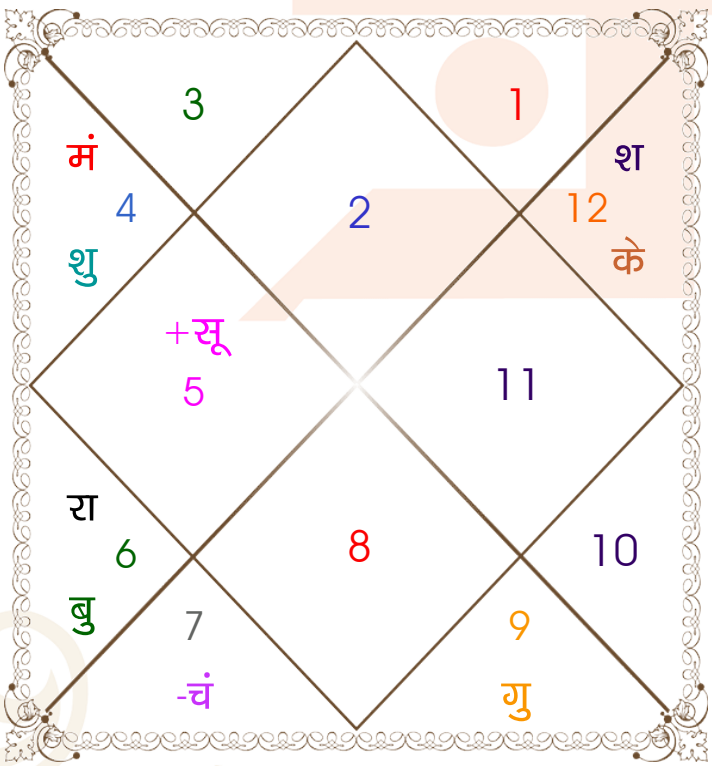

चन्द्र कुंडली

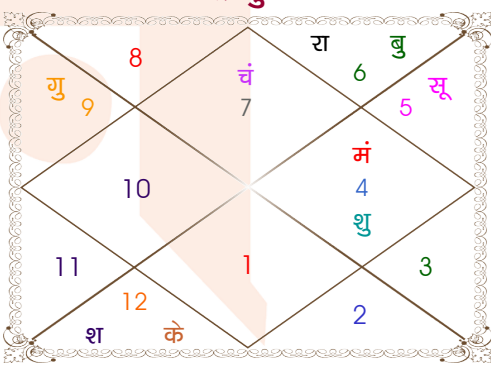

नवमांश कुंडली

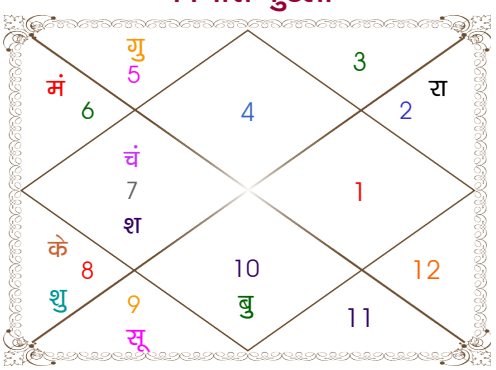

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 3 वर्ष 3 मास 5 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
15/09/1996		22/12/1999		21/12/2017		21/12/2033		21/12/2052	
22/12/1999		21/12/2017		21/12/2033		21/12/2052		21/12/2069	
	00/00/0000	राहु	03/09/2002	गुरु	08/02/2020	शनि	24/12/2036	बुध	20/05/2055
	00/00/0000	गुरु	26/01/2005	शनि	22/08/2022	बुध	03/09/2039	केतु	16/05/2056
	00/00/0000	शनि	03/12/2007	बुध	27/11/2024	केतु	12/10/2040	शुक्र	17/03/2059
	15/09/1996	बुध	22/06/2010	केतु	03/11/2025	शुक्र	13/12/2043	सूर्य	21/01/2060
बुध	19/06/1997	केतु	10/07/2011	शुक्र	04/07/2028	सूर्य	24/11/2044	चंद्र	22/06/2061
केतु	15/11/1997	शुक्र	10/07/2014	सूर्य	22/04/2029	चंद्र	25/06/2046	मंगल	19/06/2062
शुक्र	15/01/1999	सूर्य	04/06/2015	चंद्र	22/08/2030	मंगल	04/08/2047	राहु	05/01/2065
सूर्य	23/05/1999	चंद्र	03/12/2016	मंगल	29/07/2031	राहु	10/06/2050	गुरु	13/04/2067
चंद्र	22/12/1999	मंगल	21/12/2017	राहु	21/12/2033	गुरु	21/12/2052	शनि	21/12/2069

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
21/12/2069		21/12/2076		21/12/2096		22/12/2102		22/12/2112	
21/12/2076		21/12/2096		22/12/2102		22/12/2112		00/00/0000	
केतु	19/05/2070	शुक्र	21/04/2080	सूर्य	10/04/2097	चंद्र	23/10/2103	मंगल	20/05/2113
शुक्र	19/07/2071	सूर्य	22/04/2081	चंद्र	09/10/2097	मंगल	23/05/2104	राहु	08/06/2114
सूर्य	24/11/2071	चंद्र	21/12/2082	मंगल	14/02/2098	राहु	22/11/2105	गुरु	15/05/2115
चंद्र	24/06/2072	मंगल	21/02/2084	राहु	09/01/2099	गुरु	24/03/2107	शनि	22/06/2116
मंगल	21/11/2072	राहु	20/02/2087	गुरु	28/10/2099	शनि	22/10/2108	बुध	16/09/2116
राहु	09/12/2073	गुरु	21/10/2089	शनि	10/10/2100	बुध	24/03/2110		00/00/0000
गुरु	15/11/2074	शनि	21/12/2092	बुध	16/08/2101	केतु	23/10/2110		00/00/0000
शनि	25/12/2075	बुध	22/10/2095	केतु	22/12/2101	शुक्र	22/06/2112		00/00/0000
बुध	21/12/2076	केतु	21/12/2096	शुक्र	22/12/2102	सूर्य	22/12/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 3 वर्ष 2 मा 30 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृष लग्न के उदित काल, कर्क नवमांश एवं मकर द्रेष्काण में हुआ था। आप आश्चर्यजनक उत्साह, आत्मिक शक्ति से युक्त है। आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति में शिला के समान स्थिर रह कर, सांसारिक सुख एवं भोग विलास युक्त जीवन प्राप्त करेंगी।

आप सदैव उद्देश्य की तलाश में अपने लक्ष्य की ओर निश्चित रूप से बढ़ती रहेंगी। आप अपना महत्वपूर्ण कीर्ति स्तंभ निसंदेह रूप से स्थापित करेंगी, क्योंकि आप अपनी योजना के द्वारा ही अपनी कार्य व्यवस्था को उपयुक्त कर लेंगी। आप कभी भी छलांग नही लगाती। आप समय की प्रतिक्षा करती हैं। समय आने पर पूर्वनिर्धारित योजना के अनुरुप कार्य करती हैं। जब आप अपना लक्ष्य निर्धारित कर कार्यारंभ करती हैं तो निश्चित रूप से सभी विषयों की ओर से विमुख होकर, अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील रहती हैं। आप अपने अपरिवर्तित लक्ष्य के प्रति आश्वस्त होकर सफलता पूर्वक प्राप्त कर लेती हैं। क्योंकि आप दिवा स्वप्न द्रष्टा नही हैं। बल्कि कठिन श्रम करके उत्साहपूर्वक उपलब्धि प्राप्त करती हैं। परिणाम स्वरूप आप यथेष्ठ रूप से भौतिकी लाभ बिना किसी भी प्रकार की हानि अथवा बिना अपव्यय किए ही प्राप्त कर लेंगी। आप अपनी धन लोलुप्ता के प्रभाव से तथा कंजूसी से अपने धन संपत्ति में वृद्धि प्राप्त करेंगी।

आप प्रेम संबंधित क्षेत्र में सांसारिक सुख भोग एव विलासिता संबंधी आनंद प्राप्ति हेतु धन व्यय करेंगी। आप यदि समय-समय पर आलस्य करना त्याग दें तो सहजता पूर्वक आनंदमय जीवन की स्थापना कर सकती हैं। अर्थात अपना जीवन आनंदमय बना सकती हैं।

आप में इस बात का अभाव है कि आप अपनी धन प्राप्ति संबंधित महत्वकांक्षा को पूरा करने में असफल हो जाती हैं।

आप शारीरिक रूप से सामान्य कद की गोल-मटोल, मांसल अंगों से युक्त, देहधारी प्राणी हैं। प्रमुख रूप से आपका मस्तक बड़ा एवं आंखे आकर्षक हैं।

आप अपने व्यवसाय के प्रति अभिरूचि युक्त, निष्ठावान होकर धनोपार्जन हेतु शक्ति संपन्नता से व्यस्त, बिना किसी भी व्यवधान के तथा बिना भ्रमित हुए, निर्विवाद होकर सफलता प्राप्ति हेतु व्यस्त रहेंगी।

परंतु यदि आपका कोई शत्रु गलत तरीके से आपके कार्य में बाधा उत्पन्न करता है, तो आप पीछे उलटकर उस पर सांढ़ की तरह क्रोधित होकर कठिन प्रहार करेंगी।

आप शांतिपूर्वक अपने पारिवारिक स्नेहिल जीवन को आरामदायक एवं प्रिय बनाकर रहेंगी।

आप अपने परिवार को अच्दी प्रकार स्थापित करने के मार्ग पर अग्रसर होकर अपने परिवार एवं अपने दांपत्य जीवन के वातावरण को सुखद बनाने के लिए सभी व्यवस्था

करेंगी।

आपका स्वभाव वृषभ राशीय है। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं शरीर हृष्ट-पुष्ट है। परंतु आप स्वभाव से अति संवेदनशील, तथा किसी भी प्रकार के दर्द के प्रति कठिनाई अनुभव करने वाली हैं। यदि आप शारीरिक रूप से किसी भी प्रकार की असमर्थता अनुभव किया तो किसी तरह अंगहीन हो सकती हैं। संप्रति आपकी क्षमता ऐसी है कि आप सामान्य और सीमित रोगों का सामना कर सकती हैं। परंतु आप में शीघ्रता पूर्वक स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति नहीं है। फलस्वरूप आपको पूर्णरूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में विलंब हो सकता है। आप किसी भी प्रकार से सुरक्षित कार्य संपादन में विश्वास रखने वाली प्राणी हैं तथा ऐसा ही करती हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अनुकूल रंग गुलाबी सफेद एवं हरा रंग उत्तमता का प्रतीक है। आपके लिए लाल रंग अच्छा नहीं है। अतः आप लाल रंग को अपघात सूचक समझें।